त्सांगयांग ग्यात्सो पीक

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

हाल ही में **अरुणाचल प्रदेश** में एक चोटी का नाम [छठे दलाई लामा](#) **(त्सांगयांग ग्यात्सो)** के नाम पर 'त्सांगयांग ग्यात्सो पीक' रखा गया है जिस पर चीन ने आपत्ति जताई है।

- **चीन ने इस** चोटी के नामकरण की निंदा करते हुए इसे **"चीन के क्षेत्र"** में एक **अवैध कार्य बताया है।**
  - चीन पूरे अरुणाचल प्रदेश को "[दक्षिण तिब्बत](#)" **मानता है।** इस क्षेत्र को चीनी भाषा में **"ज़ंगनान" कहा जाता है।**
- **त्सांगयांग ग्यात्सो का जन्म तवांग** में हुआ था और वे **17 वीं-18 वीं शताब्दी के दौरान वहाँ रहे थे।**
- भारत ने इस नामकरण को त्सांगयांग ग्यात्सो की **"शाश्वत बुद्धिमत्ता"** तथा [मोनपा समुदाय](#) (तवांग क्षेत्र का एक मूल जातीय समूह) के प्रति उनके योगदान के प्रति **श्रद्धांजलि के रूप में संदर्भित किया।**
- [राष्ट्रीय पर्वतारोहण एवं साहसिक खेल संस्थान (NIMAS)](#) की एक टीम द्वारा **6,383 मीटर ऊँची इस चोटी** पर चढ़ाई करने के क्रम में खड़ी बर्फ की ढलानों, **हिमि दरारों** एवं दो किलोमीटर लंबे ग्लेशियर का सामना करना पड़ा।
  - यह चोटी अरुणाचल प्रदेश के हिमालय की **गोरीचेन श्रेणी** में स्थित है।
  - हिमि दरारें आमतौर पर ग्लेशियर के शीर्ष 50 मीटर में देखने को मिलती हैं।
  - NIMAS, **रक्षा मंत्रालय के अधीन है।**

और पढ़ें: [अरुणाचल प्रदेश पर चीनी दावे को भारत ने किया खारिज](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tsangyang-gyatso-peak